कांग्रेस का पानी को लेकर राजबाड़ा पर धरना आंदोलन

शहर बूंद-बूंद पानी को तरस रहा : पटवारी

नव भारत न्यूज

इंदौर. कांग्रेस ने शहर में व्याप्त भीषण जलसंकट को लेकर आज राजबाड़ा पर धरना आंदोलन किया. इस दौरान कांग्रेस ने पानी की कमी और अव्यवस्था को लेकर महापौर से इस्तीफे की मांग की. साथ ही आम जनता को शुद्ध, सुलभ और सुचारू रूप से पानी उपलब्ध कराने की बात कही.

आज शाम राजबाड़ा पर कांग्रेस ने जलसंकट को लेकर भाजपा परिषद के खिलाफ भीड़ भरा धरना आंदोलन किया. धरना आंदोलन को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने संबोधित करते हुए कहा कि आज शहर के जनता बूंद-बूंद पानी को तरस रही है. भागीरथपुरा में जहरीले पानी से 36 लोगों की मौत हुई. पूरे देश और प्रदेश इंदौर के बदनामी हुई, लेकिन भाजपा की सत्ता हावी थी और लोगों को न्याय नहीं मिला. पटवारी ने कहा कि आज शहर 100 प्रतिशत जहरीला पानी पीने को मजबूर है और दूसरी ओर आधे से ज्यादा शहर बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहा है. पटवारी ने बताया कि 25 साल से प्रदेश में, 27 साल से नगर निगम और 35 साल से भाजपा का संसद जीता रहे है, लेकिन ये लोग शहर में शुद्ध और सुलभ पानी नहीं दे सके हैं. मेरा जनता से आग्रह है कि अबकी बार आपको विचार करना होगा कि भाजपा आपका सिर्फ उपयोग कर रही है और सुविधाओ को देने असफल रही है और अभी भी है. धरना प्रदर्शन में पूर्व प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया, प्रभारी गजेंद्र सिंह सिसौदिया, शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे, युवक कांग्रेस अध्यक्ष अमित पटेल,पार्षद राजू भदौरिया, सोनिया मिमरोट भाटिया, सीमा सोलंकी, कुणाल सोलंकी, दीपू यादव, अंसाफ अंसारी, रफीक खान, प्रदेश प्रवक्ता राजेश चौकसे, प्रमोद द्विवेदी, पिंटू जोशी, अमन बजाज, अमित चौरसिया,हर्ष जैन,प्रवेश यादव,दिनेश मल्हार , संतोष यादव,महासचिव मुकेशपुरी, अभिजीत शर्मा बिट्ठू, सच सलूजा, धर्मेंद्र गैंदर , प्रेम खड़ायता, महक नागर चिंकी , शैलू सेन, विकास जोशी, पप्पू मालवीय, सहित हजारों की संख्या में महिलाएं और पानी समस्या से पीड़ित रहवासी मौजूद थे.

महापौर से इस्तीफे की मांग

कांग्रेस ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव से भागीरथपुरा के मौतों और शहर में व्याप्त भीषण जल संकट को लेकर इस्तीफे की मांग की. इस दौरान महापौर के खिलाफ जमकर गद्दी छोड़ो गद्दी छोड़ो के नारे भी धरना आंदोलन में खूब लगे. धरना आंदोलन में पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा और पूर्व मंत्री बाला बच्चन ने भी पानी को लेकर भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन में जनता को संबोधित किया.

मटके फोड़कर जताया विरोध

कांग्रेस द्वारा राजवाड़ा क्षेत्र में प्रदर्शन के बाद चिंटू चौकसे, राजू भदौरिया सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता नगर निगम मुख्यालय गेट पर पहुंचे. नगर निगम परिसर के बाहर आयोजित इस विरोध-प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर प्रतीकात्मक रूप से मटके फोड़कर विरोध दर्ज कराया. कांग्रेस नेताओं का कहना था कि यह प्रदर्शन नगर निगम की कार्यप्रणाली और स्थानीय मुद्दों को लेकर जनता की आवाज को सामने लाने के उद्देश्य से किया गया था. हालांकि प्रदर्शन के दौरान कुछ स्थानों पर कार्यकर्ताओं के बीच मटके को लेकर हल्की नोकझोंक की स्थिति भी देखी गई, जिसे मौके पर मौजूद लोगों और पदाधिकारियों ने संभाल लिया. इसके बाद प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहा और अंत में नगर निगम मुख्यालय पर प्रतीकात्मक रूप से मटके फोड़कर विरोध समाप्त किया गया. कांग्रेस नेता चिंटू चौकसे ने दावा किया कि उनका आंदोलन पूरी तरह लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण था, जिसका उद्देश्य स्थानीय समस्याओं की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना था.

बिजली चोरी पर लगाम के लिए जनता का सहारा, विभाग लाया वी-कनेक्ट ऐप

नवभारत न्यूज़

इंदौर. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बिजली चोरी रोकने के लिए वी-कनेक्ट मोबाइल ऐप लॉन्च किया है. विभाग का दावा है कि अब आम लोग बिजली चोरी, मीटर से छेड़छाड़ और अन्य अनियमितताओं की शिकायत सीधे विजिलेंस विभाग तक पहुंचा सकेंगे.

शिकायत सही मिलने और वसूली होने पर सूचना देने वाले को इनाम भी दिया जाएगा। कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के अनुसार ऐप के जरिए फोटो और जानकारी सीधे अधिकारियों तक पहुंचेगी और टीम मौके पर कार्रवाई करेगी. हालांकि इस पहल के साथ विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं. वर्षों से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में खुलेआम बिजली चोरी होती रही है, लेकिन विभाग कई मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाया. उपभोक्ताओं का आरोप है कि छोटे उपभोक्ताओं पर सख्ती दिखाई जाती है, जबकि बड़े बकायेदारों और प्रभावशाली लोगों पर कार्रवाई कमजोर रहती है. ऐसे में अब विभाग ने निगरानी की जिम्मेदारी आम जनता पर डाल दी है. वहीं लोगों का कहना है कि यदि विभाग का फील्ड अमला सक्रिय और जवाबदेह होता तो बिजली चोरी रोकने के लिए जनता को मुखबिर बनाने की जरूरत नहीं पड़ती.

भीषण जलसंकट के बीच याद आए अधिकारियों को तालाब

- कलेक्टर एवं आयुक्त ने किया तालाबों का मौका निरीक्षण

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में गर्मी के मौसम भीषण जलसंकट की समस्या होने के बाद आज प्रशासनिक अधिकारियों को शहर के तालाब याद आए. मंगलवार को कलेक्टर और निगम आयुक्त शहर के तालाबों के कैचमेंट एरिया, जलभराव और अतिक्रमण की स्थिति का जायजा लिया. दोनों अधिकारी सिरपुर और लिंबोदी तालाब की वर्तमान स्थिति का मौका निरीक्षण करने पहुंचे.

आज सुबह कलेक्टर शिवम वर्मा एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सिरपुर एवं लिंबोदी तालाब का निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के दौरान कलेक्टर वर्मा एवं आयुक्त सिंघल ने तालाबों की वर्तमान स्थिति, जल संग्रहण क्षमता, कैचमेंट एरिया के अतिक्रमण तथा तालाबों तक पहुंचने वाली चैनल लाइनों की सफाई की विस्तार से जानकारी ली. अधिकारियों और निगम रिमूवल अमले को निर्देश दिए कि बारिश के पहले तालाब की चैनल और उस पर किए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करें. निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त आशीष पाठक, कार्यपालन यंत्री अश्विन जनवदे, प्रभारी आकाश जैन , रोहित बोयत सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे.

अवरोधों को हटाया जाए: कलेक्टर वर्मा ने कहा कि शहर के प्रमुख तालाबों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन जल संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है. उन्होंने निर्देश दिए कि तालाबों की प्राकृतिक रूप से पानी आने वाले रास्ते को बाधित करने वाले सभी निर्माण और अवरोधों को हटाया जाए. साथ ही कैचमेंट एरिया में अतिक्रमणों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए.

बारिश से पहले सड़क और ब्रिज निर्माण कार्य करें पूर्ण

- कलेक्टर ने दी अधिकारियों को हिदायत
- जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

इंदौर. कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई. बैठक में आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सड़कों की मरम्मत, अपूर्ण सड़क एवं ब्रिज निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए.

कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि बारिश के दौरान कहीं भी जलभराव अथवा यातायात अवरोध जैसी स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए अभी से प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं. बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, डीसीपी ट्रैफिक राजेश त्रिपाठी, स्मार्ट सिटी के सीईओ अर्थ जैन, अपर कलेक्टर रोशन राय, नगर निगम इंदौर के अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे. बैठक में विशेष रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों एवं अन्य प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने पर जोर दिया गया. कलेक्टर ने खंडवा रोड, उज्जैन रोड तथा मुंबई-आगरा रोड पर चल रहे सड़क एवं ब्रिज निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए बारिश के पूर्व निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि यदि किसी कारणवश कार्य पूर्ण नहीं हो पाते हैं, तो वहां वैकल्पिक एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन एवं वाहन चालकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े.

यातायात बाधित करने वालों पर हो कार्रवाई

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सड़कों पर अनधिकृत रूप से वाहन खड़े कर यातायात बाधित करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए. उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा एवं यातायात सुधार के लिए जनजागरूकता जितनी आवश्यक है, उतनी ही जरूरी सतत प्रवर्तन एवं कार्रवाई भी है. बैठक में ब्लैक स्पॉट सुधार कार्यों की समीक्षा भी की गई. अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुरक्षा संबंधी आवश्यक कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं.

नामांतरण प्रक्रिया डिजिटल हुई, साइबर तहसील 2 .0 से तेज हुआ राजस्व कार्य

- 5 .60 लाख से अधिक प्रकरणों का निराकरण

नवभारत न्यूज

इंदौर. राजस्व प्रणाली में किए गए डिजिटल सुधारों के तहत 'साइबर तहसील 2.0' ने नामांतरण प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बना दिया है. इस पहल के तहत अब तक प्रदेश में 5.60 लाख से अधिक ऑनलाइन नामांतरण प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जा चुका है.

जानकारी के अनुसार, पहले जहां नामांतरण प्रक्रिया में लगभग 70 दिन लगते थे, वहीं अब अधिकांश प्रकरण मात्र 20 से 25 दिनों में पूर्ण हो रहे हैं. इससे नागरिकों के समय, श्रम और धन की बचत सुनिश्चित हुई है. साइबर तहसील 1.0 के सफल संचालन के बाद सरकार ने इसका विस्तार करते हुए साइबर तहसील 2.0 लागू किया, जिसमें आंशिक खसरा भूमि के हिस्से की बिक्री से जुड़े जटिल प्रकरणों को भी शामिल किया गया है. डिजिटल प्रणाली के माध्यम से सीमांकन, रिकॉर्ड संशोधन और अद्यतन कार्य अब अधिक सटीक और पारदर्शी तरीके से किए जा रहे हैं, जिससे भूमि विवादों की संभावना भी कम हुई है. यह व्यवस्था प्रदेश की सभी तहसीलों और लगभग 1,192 तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार न्यायालयों के साथ रीयल-टाइम समन्वय में कार्य कर रही है. ऑनलाइन ट्रैकिंग और केंद्रीकृत निगरानी प्रणाली के कारण प्रकरणों की प्रगति पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित हुआ है.

मॉडल के रूप में उभर रहा

सरकार का कहना है कि साइबर तहसील 2 .0 केवल तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो अन्य राज्यों के लिए भी एक मॉडल के रूप में उभर रहा है.

समय पर मदद कर बचाई जान, निलेश गौर बने राह-वीर योजना के सम्मानित नागरिक

इंदौर. सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने वाले निलेश गौर को राज्य शासन की राह-वीर योजना के तहत सम्मानित किया गया.

भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की राह-वीर योजना के तहत सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाकर जान बचाने वाले नागरिकों को सम्मानित करने और प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान है. इसी तारतम्य में कलेक्टर शिवम वर्मा ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी. सम्मान समारोह कलेक्टर कार्यालय में आयोजित हुआ, जिसमें क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हासानी भी मौजूद रहे. कलेक्टर वर्मा ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाकर निलेश गौर ने अनुकरणीय कार्य किया है. उनके इस प्रयास से न केवल एक व्यक्ति की जान बच सकी, बल्कि समाज में मानवता और संवेदनशीलता का संदेश भी गया है. जानकारी के अनुसार 19 जून 2025 को इंदौर के कमलाकेशर नगर (कुशवाह नगर) निवासी नितेश मधुकर एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे. रिक्शा पलटने से उनके मुंह, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई थीं. इस दौरान रामनगर निवासी निलेश गौर ने तत्परता दिखाते हुए घायल को गोल्डन ऑवर में तत्काल अरबिंदो अस्पताल पहुंचाया, जिससे समय पर उपचार मिलने से उनकी जान बचाई जा सकी.

एक नजर में — आईसीएसआई इंदौर चैप्टर द्वारा आईपीओ विषय पर सेमिनार का आयोजन

विशेषज्ञों ने आईपीओ से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर दी जानकारी

इंदौर. भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) के इंदौर चैप्टर द्वारा आईपीओ: अवसर, प्रक्रिया एवं नियामकीय परिप्रेक्ष्य विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का सफल आयोजन किया गया.

इंदौर चैप्टर के चेयरमैन सीएस अंकित मेड़तवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस फुल डे सेमिनार में पूंजी बाजार एवं कॉर्पोरेट क्षेत्र के विशेषज्ञों ने आईपीओ से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में मुंबई से पधारे सीएस बी. रंगनाथन, सीए विशाल संचेती तथा नागपुर से आए सीएस राहुल थाकवानी ने प्रतिभागियों को संबोधित किय. विशेषज्ञ वक्ताओं ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार इस समय आईपीओ की रफ्तार पर सवार है. कंपनियों की लंबी कतार स्टॉक एक्सचेंज पर दस्तक दे रही है तथा निवेशकों में नई लिस्टिंग को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है. सेमिनार के दौरान आईपीओ की संपूर्ण प्रक्रिया, सेबी विनिमय, एसएमई आईपीओ, ड्यू डिलिजेंस, लिस्टिंग आवश्यकताएं, निवेशकों की अपेक्षाएं एवं वर्तमान बाजार परिदृश्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई. वक्ताओं ने बताया कि वर्तमान समय में पूंजी बाजार कंपनियों के विकास एवं विस्तार के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है तथा इसमें प्रोफेशनल्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है.

प्रश्नों का समाधान किया

इस सेमिनार में 200 से अधिक कंपनी सचिव सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की. प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के साथ संवाद कर आईपीओ एवं पूंजी बाजार से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए. कार्यक्रम में रीजनल काउंसिल सदस्य सीएस अनुराग गंगराड़े, समिति सदस्य सीएस सुरभि अग्रवाल सहित मैनेजमेंट कमेटी के अन्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही. मंच संचालन सीएस गुंजन सचदेव ने किया.

एक नजर में

मोटोरोला भारत के टॉप 5 स्मार्टफोन ब्रांड्स में शामिल

इंदौर. मोटोरोला ने देश में अपनी मजबूत विकास गति जारी रखी है. आईडीसी क्वार्टली मोबाइल फोन ट्रैकर की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 की पहली तिमाही में मोटोरोला टॉप 5 स्मार्टफोन ब्रांड्स में शामिल हो गया है. 2024 की पहली तिमाही में 9वें स्थान से 2026 की पहली तिमाही में 5वें स्थान तक पहुंचकर मोटोरोला ने पिछले दो वर्षों में भारतीय स्मार्टफोन उद्योग में सबसे मजबूत ग्रोथ में से एक दर्ज की है. इस दौरान कंपनी का मार्केट शेयर 4.6% से बढ़कर 8.9% हो गया है. मोटोरोला के मैनेजिंग डायरेक्टर, टीएम नरसिम्हन ने इस उपलब्धि के बारे में कहा भारत में हमारी लगातार बढ़ती सफलता यह दर्शाती है कि उपभोक्ता मोटोरोला के सार्थक इनोवेशन, आइकॉनिक डिजाइन और प्रीमियम अनुभव पर पूरा भरोसा करते हैं. पैंटोन, बोस और सोनी जैसे बड़े ब्रांड्स के साथ हमारी साझेदारी बेहतरीन अनुभव देने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है, जो एआई इनोवेशन से और बेहतर बनते हैं. इससे हमारी ब्रांड की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है.

अमेजन पर शुरू हुआ शॉपिंग का सुपर ओवर

इंदौर. जैसे-जैसे क्रिकेट का सीजन अपने रोमांचक मोड़ पर पहुंच रहा है, अमेजन.इन पर मेगा क्रिकेट फेस्टिवल क्रिकेट की जरूरी चीजों, फिटनेस गियर, फैन मर्चेंडाइज और होम एंटरटेनमेंट पर शानदार डील्स लेकर आया है. चाहे गली क्रिकेट मैच के लिए तैयारी करनी हो, अपने खेल को निखारने के लिए ट्रेनिंग करनी हो, अपनी किट को अपग्रेड करना हो या हर मैच के लिए एकदम सही व्यूइंग एक्सपीरियंस सेट करना हो, ग्राहक एसजी, डीएससी, कॉक्टू, बोल्डफिट, निविया और प्लेआर सहित टॉप ब्रांडों के एआई-क्यूरेटेड बड़े सिलेक्शन से खरीदारी कर सकते हैं, जिसमें क्रिकेट से प्रेरित एक्सेसरीज और कलेक्टिबल्स भी शामिल हैं. शानदार डील्स के अलावा, अमेज़न के एआई-संचालित शॉपिंग टूल्स सही प्रॉडक्ट्स को खोजना पहले से कहीं ज्यादा आसान बना देते हैं. मैच-डे की जरूरी चीजों से लेकर क्रिकेट गियर और फिटनेस मस्ट-हैव्स तक, मेगा क्रिकेट फेस्टिवल में हर क्रिकेट प्रेमी के लिए कुछ न कुछ है.

मैरिको ने हेयर क्लींजिंग सेगमेंट में प्रवेश किया

इंदौर. मैरिको लिमिटेड ने आज पैराशूट एडवांस्ड प्रोटीन शैंपू लॉन्च किया, जिससे हेयर केयर के सेगमेंट में ब्रांड की पहुँच मजबूत हुई है. इस नए प्रोडक्ट के साथ कंपनी ने हेयर क्लींज़िंग श्रेणी में प्रवेश कर लिया है. यह नई प्रोटीन शैंपू रेंज हेयरकेयर में ब्रांड की स्थिति को और अधिक मजबूत करते हुए कोकोनट मिल्क और प्राकृतिक तत्वों के गुण प्रदान करती है. मैरिको लिमिटेड के सी.ई.ओ इंडिया कोर बिज़नेस, आशीष गोपाल ने कहा मैरिको द्वारा यह लॉन्च पिछले कुछ सालों में कैटेगरी का एक महत्वपूर्ण विस्तार है. यह प्रोडक्ट पैराशूट एडवांस्ड कोकोनट के गुणों को हेयर-क्लींज़िंग फॉर्मेट में लेकर आया है. शैंपू के क्षेत्र में पैराशूट एडवांस्ड का विस्तार एक रणनीतिक कदम है, जिसका उद्देश्य प्रकृति पर केंद्रित समाधानों की ओर ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करना है. यह लॉन्च एक उद्देश्यपूर्ण और कोकोनट पर आधारित इनोवेशन के प्रति मैरिको की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है.

अब बदलेगा इंदौर अभियान का विजन पेश किया

इंदौर. एमराल्ड डेवलपर्स ने इंदौर के भविष्य के लिए अपना बड़ा विज़न पेश किया. यह घोषणा कंपनी के नए अब बदलेगा इंदौर अभियान के तहत की गई. कंपनी ने शहर के शहरी और व्यावसायिक विकास को नई दिशा देने वाली आने वाली परियोजनाओं की जानकारी भी साझा की. कार्यक्रम के दौरान एमराल्ड डेवलपर्स के सीईओ तपन अग्रवाल ने इस पहल के पीछे की सोच और इंदौर के भविष्य को लेकर कंपनी के बड़े विज़न को साझा किया. उन्होंने कहा इंदौर इस समय आर्थिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक रूप से बदलाव के एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है. विकास का अगला चरण सिर्फ शहर का विस्तार करना नहीं होना चाहिए, बल्कि लोगों के अनुभव, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और रहने व काम करने के तरीके को भी बेहतर बनाना चाहिए. एमराल्ड में हमारा ध्यान ऐसे आधुनिक और भविष्य के लिए तैयार स्पेस बनाने पर है, जो वैश्विक सोच से प्रेरित हों और आधुनिक भारत की जरूरतों और महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हों. अर्चना अग्रवाल, वाइस प्रेसिडेंट-सेल्स एवं मार्केटिंग, एमराल्ड डेवलपर्स ने कहा इंदौर अब ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां लोगों की सोच और उम्मीदें वैश्विक स्तर की होती जा रही हैं, लेकिन शहर अपनी पहचान और संस्कृति से भी जुड़ा हुआ हैं. एमराल्ड में हमारा प्रयास इन बदलती जरूरतों को समझकर ऐसी परियोजनाएं बनाने का है, जो भविष्य के लिए तैयार हों, बेहतर अनुभव देने वाले हों और वहां रहने व काम करने वाले लोगों के लिए वास्तव में उपयोगी हों. बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि कंपनी ऐसे आधुनिक और एकीकृत स्पेस विकसित करने पर ध्यान दे रही है, जो बेहतर सुविधाओं, आकर्षक डिजाइन, आसान पहुंच और शहर के लंबे समय तक विकास को ध्यान में रखकर तैयार किए जाएंगे। ये सभी परियोजनाएं वैश्विक सोच से प्रेरित होंगी.

टाटा प्ले पर बच्चे सीख रहे हैं बहुत कुछ

इंदौर. गर्मियों की छुट्टियाँ आ गई हैं. बच्चे टीवी के सामने बैठकर ज्यादा समय बिताने लगे हैं. ये दोनों सेवाएं बच्चों के लिए गेम्स और मनोरंजक कार्यक्रमों का बेहतरीन मिश्रण पेश करती हैं. इनमें एक्शन है, रेसिंग है, पहेलियों पर आधारित गेम्स हैं, कविताएं, कार्टून और बच्चों के सीखने के लिए वीडियो हैं. इनके माध्यम से बच्चे इस मंच पर आसानी से खोज भी कर सकते हैं और खेल भी सकते हैं. इस पेशकश में बच्चों की परिचित और पसंदीदा श्रृंखलाएं हैं. स्मार्ट गेम्स+पर छोटा भीम, रोल नं. 21, कुंभ करन, स्टीवन यूनिवर्स और रैगुलर शो 300 से अधिक गेम्स के साथ शानदार अनुभव प्रदान करेंगे. वहीं, फन लर्न छोटे बच्चों के लिए कोकोमेलन, लिटिल बेबी बम, शार्कसंस और ज़ैप्पी टून्स जैसे पसंदीदा शो लेकर आया है. टाटा प्ले पर यह अनुभव मनोरंजन तो प्रदान करता ही है, साथ ही बच्चों को बहुत कुछ सीखने का अवसर भी देता है. कुछ गेम्स उन्हें समस्याएं सुलझाना सिखाते हैं. वो संगीत और कहानियाँ सुनकर भी सीखते हैं. हर अनुभव उनमें जिज्ञासा और रचनात्मकता का विकास करता है.

चार तरीके जो सीनियर सिटिजंस की सुरक्षा बढ़ाते हैं

इंदौर. भारत में सीनियर सिटिजंस की केयर एक परिवर्तन के दौर से गुजर रही है. साल 2036 तक देश में वृद्ध आबादी, यानी 60 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों की संख्या बढ़कर लगभग 230 मिलियन होने का अनुमान है. इस बदलती आबादी के दौर में बुजुर्गों के लिए एक व्यवस्थित और प्रोफेशनल प्रबंधन वाली केयर की मांग भी बढ़ती जा रही है. इस मांग को पूरा करने के लिए ऑपरेटर दैनिक केयर डिलीवरी में स्मार्ट मॉनिटरिंग, डिजिटल हैल्थ टूल्स और ऑटोमेटेड सुरक्षा टेक्नोलॉजी को शामिल कर रहे हैं. वीडियो सर्वियलेंस सिस्टम अब केवल अप्रत्यक्ष रिकॉर्डिंग टूल नहीं रह गए हैं. बल्कि वो ऐसे इंटेलिजेंट प्लेटफॉर्म बन चुके हैं, जो निरंतर हाई डेफिनिशन डेटा प्रदान करते हैं, जिनका हाथों-हाथ विश्लेषण किया जाता है. चार उदाहरण स्पष्ट करते हैं कि सही डेटा फाउंडेशन पर निर्मित स्मार्ट वीडियो सिस्टम किस प्रकार वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा बढ़ा सकते हैं. पहला है गिरने का पूर्वानुमान लगा लेना और तेज प्रतिक्रिया देना, दूसरा है लंबे समय तक जानकारी एकत्रित करके प्रिवेंटिव केयर संभव बनाना, तीसरा है विभिन्न परिवेशों में सुरक्षा को मजबूत बनाना औक चौथा है सुरक्षा के कनेक्टेड ईकोसिस्टम का संचालन करना.

मिंत्रा ईओआरएस 29 मई से शुरू होगी

इंदौर. मिंत्रा ने भारत के ई-लाईफस्टाईल ईकोसिस्टम को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए आज अपनी एंड ऑफ रीज़न सेल (ई.ओ.आर.एस) के 24वें एडिशन की घोषणा की, जो 29 मई से शुरू होगा। इसमें अरली वी.आई.पी एक्सेस 28 मई से शुरू होगी। ई.ओ.आर.एस के इस एडिशन में 6 मिलियन से अधिक स्टाईल मिलेंगे, जो भारत में फैशन और लाईफस्टाईल ईकोसिस्टम के विकास में मिंत्रा की महत्वपूर्ण भूमिका को मजबूत करेंगे. रितेश मिश्रा, एसवीपी, हेड ऑफ रेवेन्यू एंड कैटेगरी, मिंत्रा ने कहा ई.ओ.आर.एस पिछले सालों में भारत की एक ऐसी शॉपिंग ईवेंट बन गई है, जिसका इंतजार सबसे अधिक बेसब्री से किया जाता है. यह देश में फैशन और लाईफस्टाईल ईकोसिस्टम से जुड़े ब्रांड्स को विकास का एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराती है, उनकी आय बढ़ाती है तथा रोजगार के अवसरों का निर्माण करती है. इस ईवेंट में भाग लेने वाले उभरते हुए ब्रांड्स, क्रिएटर समुदायों और ग्राहकों की विशाल संख्या से भारत के डिजिटल कॉमर्स परिवेश की बढ़ती ताकत प्रदर्शित होती है.